Publication	Dainik Savera
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Edition	Amritsar
Date	13th Sep 2019

अमृतसर सवेरा

बटाला पटाखा फैक्टरी धमाके से सबक ले प्रशासन व सरकार

* अब रिहायशी इलाकों में बने गैस सिलैंडरों के गोदामों पर भी ध्यान देने की ज़रूरत * पंजाब में अनेकों गैस सिलेंडरों के गोदाम हैं रिहायशी इलाकों और स्कूलों के आस-पास

स्कूल के अंदर छात्र प्रार्थना करते हुए और स्कूल की दीवार के साथ बने गोदाम के अंदर गैस सिलैंडरों के साथ भरा ट्रक दिखाई देता हुआ।

गुरदासपुर, 12 सितम्बर (आरिफ) : गत दिनों बटाला में पटाखा फैक्टरी में हुए जबरदस्त धमाके के बाद 23 लोगों की जान जाने के बाद प्रशासन इस ओर गंभीर होता दिखाई दिया कि पटाखा फैक्ट्रियों या पटाखों के गोदाम रिहायशी इलाकों में होने पर। प्रशासन को अब इस और भी ध्यान देना चाहिए कि जो गैस सिलैण्डरों के गोदाम रिहायशी इलाकों के अंदर हैं, उनका क्या किया जाए? बहुत से गैस सिलैंडरों के गोदामों के अंदर कोई अप्रिय घटना होती है तो इसका नुकसान बटाला में पटाखा फैक्टरी के धमाके से अधिक हो सकता है। यहां यह भी सवाल पैदा होता है कि जहां यह गैस सिलैंडरों के गौदाम है, उन इलाकों के अंदर लोगों के अपने

शेष पृष्ठ 11 पर

Publication	Dainik Savera
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	11
Edition	Amritsar
Date	13th Sep 2019

अमृतसर सवेरा

बटाला पटाखा फैक्टरी धमाके से...

रिहायशी मकान पहले बनाए हैं या यह गैस सिलैंडरों के गौदाम पहले बने हैं। इसी तरह जिन स्कूलों के नज़दीक यह गैस सिलैंडरों के गोदाम मौजूद है, वहीं यह सवाल पैदा होता है कि पहले वहां स्कूल बना? या गैस सिलैंडरों का गोदाम। पर दोनों ही हालातों में प्रशासन की नालायकी सामने आती है, क्योंकि अगर उधर पहले रिहायश थी तो गोदाम बनाने के लिए एन.ओ.सी. कैसे दे दी गई और अगर उधर गैस सिलैंडरों का गोदाम पहले मौजूद था तो संबंधित विभाग ने मकानों के नक्शे कैसे पास कर दिए? यही सवाल उन स्कूलों पर भी उठता है जो स्कूल इन गोदामों के पास स्थित हैं। अगर पहले स्कूल बना है तो गोदाम बनाने के लिए एन.ओ.सी. देना संबंधित विभागों के लिए बहुत ही गैर जिम्मेवारी वाला काम है और अगर स्कूल बाद में बना है तो शिक्षा विभाग द्वारा इसको मान्यता कैसे दी दी गई? कुल मिलाकर यह बहुत ही गंभीर विषय है, जिसमें ताजा हुई घटना से प्रशासन और सरकार को ध्यान देने की ज़रूरत है, क्योंकि ऐसे गोदाम पंजाब के अंदर लगभग हर ज़िले और हर कस्बे में मौजूद है।